# ECHO OF HIS CALL

HINDI

# बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

REACHING NATIONS

*India's National Spiritual Newspaper*

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 SEPTEMBER | No. 10


पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 81:1-8

1 परमेश्वर जो हमारा बल है, उसका गीत आनन्द से गाओ; याकूब के परमेश्वर का जयजयकार करो!

2 भजन उठाओ, डफ और मधुर बजनेवाली वीणा और सारंगी को ले आओ।

3 नये चाँद के दिन, और पूर्णमासी को हमारे पर्व के दिन नरसिंगा फूँको।

4 क्योंकि यह इस्राएल के लिये विधि, और याकूब के परमेश्वर का ठहराया हुआ नियम है।

5 इसको उसने यूसुफ में चितौनी की रीति पर उस समय चलाया, जब वह मिस्र देश के विरुद्ध चला। वहाँ मैं ने एक अनजानी भाषा सुनी :

6 "मैं ने उनके कन्धों पर से बोझ को उतार दिया; उनका टोकरी ढोना छूट गया।

7 तू ने संकट में पड़कर पुकारा, तब मैं ने तुझे छुड़ाया; बादल गरजने के गुप्त स्थान में से मैं ने तेरी सुनी, और मरीबा नामक सोते के पास तेरी परीक्षा की।

8 हे मेरी प्रजा, सुन, मैं तुझे चिता देता हूँ! हे इस्राएल, भला हो कि तू मेरी सुने!

# मज़बूती से थामे रहें और मुश्किल समय में भी साहस रखें!

**HOLD FAST & BE COURAGEOUS EVEN IN HARD TIMES!**

*बहन एन्जल*

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में आपको अभिवादन, वही केवल अद्‌भुत और अलौकिक काम करने की सामर्थ रखते हैं। मुझे भरोसा है कि यह संदेश आपको कुशल पाए, और मैं प्रार्थना करती हूँ कि जैसे आपकी आत्मा उन्नति कर रही है, वैसे ही आप हर बात में भी उन्नति करें।

कुछ दिन पहले, मैं दानिय्येल की किताब का तीसरा अध्याय पढ़ रही थी। हालाँकि मैंने इस परिच्छेद को पहले कई बार पढ़ा है, इस बार यह मुझे गहरी सांत्वना और पुनराश्वासन देने वाला लगा। मैंने महसूस किया कि मुझे इसके कुछ विचार आपके साथ बाँटने चाहिए।

## इस्राएली भाई!

दानिय्येल अध्याय 3 एक नाटकीय और गंभीर दृश्य से शुरू होता है। तीन यहूदी पुरुष - शद्रक, मेशक और अबदनगो - को राजा नबूकदनेस्सर यह आदेश देता है कि वे उस सोने की

*पृष्ठ 3 मे क्रमश:...*

एको ऑफ हिज़ कॉल *5 मिनिट का संदेश!!*

**यू ट्यूब *मसीही चैनल!***

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

*अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू*

*प्रतिदिन सुबह 2 बजे*

*तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे*

★ Please Subscribe and Share ★

# ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

## from your dearly beloved brother...

REACHING NATIONS

**OUR MISSION POLICY**

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.
EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM., MBA.
ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)
EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858
95661 31858
E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org
YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

**"और जो काम यहोवा की दृष्टि में ठीक और सुहावना है वही किया करना, जिससे कि तेरा भला हो।" व्यवस्थाविवरण**

प्रिय मित्रों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनमोल नाम में आपको अभिवादन!

मैं प्रभु में अपने सभी भाइयों और बहनों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जो अपनी आग्रहपूर्ण प्रार्थनाओं, अथक परिश्रम और उदार स्वैच्छिक दानों के माध्यम से, पर्दे के पीछे मेरे साथ विश्वासयोग्यता से खड़े हैं। आप मेरे लिए परमेश्वर का अनुग्रहपूर्ण वरदान हैं, जो प्रतिदिन की चुनौतियों, परीक्षाओं और क्लेशों के बीच भी, राष्ट्रों में उनके नाम का प्रचार करने में सक्षम बनाते हैं।

जहाँ तक मेरी बात है, मैंने परमेश्वर की चितौनियों को दृढ़ता से थामा है, और मुझे विश्वास है कि वह मुझे लज्जित नहीं करेगा। भजन का लेखक **भजन संहिता 119:31 में कहता है :**

**मैं तेरी चितौनियों में लवलीन हूँ, हे यहोवा, मेरी आशा न तोड़!**

लवलीन रहने का अर्थ है लिपटे रहना, चिपके रहना, दृढ़ता से पकड़े रहना और दृढ़ रहना। जब परमेश्वर ने अपने लोगों को अपनी आज्ञाएँ दीं, तो एक बार-बार दिया गया उपदेश था "दृढ़ता से पकड़े रहना" या - "दृढ़ता से जुड़े रहना"। इस अटूट प्रतिबद्धता के बिना, सफल लोगों के लिए अपनेपरमेश्वर द्वारा दिए गए लक्ष्यों तक पहुँचने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

व्यक्तिगत रूप से, मैंने अपनी युवावस्था से ही प्रभु से जुड़े रहने की यह यात्रा शुरू कर दी थी। मुझे समझ में आया कि एक सफल आत्मिक यात्रा आराम और सुविधा का मार्ग नहीं है। इसके लिए सचेत प्रयास की आवश्यकता होती है - दृढ़ रहना, स्थिर रहना, पूरे हृदय से उनसे जुड़े रहना।

ये केवल शब्द नहीं हैं; ये गहरे आत्मिक अनुभवों को दर्शाते हैं। ये धूप हो या तूफ़ान, असफलताओं, विश्वासघात, अकेलेपन, बीमारी, हानि, कष्ट, परीक्षाओं और प्रलोभनों के बावजूद, परमेश्वर से जुड़े रहने की बात करते हैं।

जिस प्रकार किसी चीज़ को किसी दूसरी सतह से मजबूती से चिपकाया जाता है, उसे आसानी से अलग नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार हमारे जीवन को भी प्रभु यीशु मसीह से मजबूती से जुड़ा होना चाहिए। जब घ्हम सचमुच उनसे जुड़े रहते हैं, तो वे हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन जाते हैं।

यह जीवन ठोस चट्टान पर बना है - धँसती रेत पर नहीं।

हम आज अपने जीवन में बाइबल की घटनाओं को पूरा होते हुए देख सकते हैं। विभिन्न धर्मों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग इस बात की गवाही देंगे कि प्रभु परमेश्वर, यीशु मसीह, अभी भी जीवित हैं और हमारे बीच कार्य कर रहे हैं।

कभी-कभी, जीवन के निर्जन अनुभवों के दौरान परमेश्वर को दृढ़ता से थामे रहना, उनसे चिपके

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) YouTube Ministry Online Courses Theological Correspondence Courses (2 languages) Church Planting Nehemiah Bible Colleges Gospel Printing Press Great Commission Partners St. Paul's Matriculation School Crusades Community Development

रहना, या उनसे जुड़े रहना, उनके साथ हमारे रिश्ते में तनाव और तथा दबाव भी ला सकता है। हालाँकि, परमेश्वर का वचन हमें आश्वासन देता है :

**“परन्तु तुम जो अपने परमेश्वर यहोवा के साथ लिपटे रहे हो सब के सब आज तक जीवित हो। ” - व्यवस्थाविवरण 4:4**

“प्रभु यीशु मसीह को दृढ़ता से थामे रहना” हमारा आदर्श वाक्य हो। यही दृढ़ विश्वास हमें जीवन की परीक्षाओं में विजयी बनाएगा, हमें जयवन्त और सफल बनाएगा।

यह अटूट समर्पणा परमेश्वर के प्रति विश्वासपूर्ण भय में निहित होनी चाहिए, जो हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिबिम्बित हो।

आप मेरी प्रार्थनाओं में हैं। प्रभु यीशु मसीह को दृढ़ता से थामे रहें। आपके जीवन का बाकी सफ़र धन्य और फलदायी होगा।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह सदैव आप पर बना रहे।

भाइयों, कृपया हमारे लिए प्रार्थना करते रहें।

मसीह यीशु में आपका सेवक,

*पास्टर एस. सैम सिल्वा राज*

Email: sam@echoofhiscall.org

---

*पृष्ठ 1 से आगे:...*

मूरत को दंडवत करें और उसकी उपासना करें, जिसे उसने खड़ा किया था। जब वे मना कर देते हैं, तो उन्हें जलती हुई आग की भट्टी में झोंक दिया जाता है।

इस अध्याय में आगे जाने से पहले, यह आवश्यक है कि हम संदर्भ के लिए अध्याय २ पर एक दृष्टि डालें। उस अध्याय में, राजा नबूकदनेस्सर को एक

*राजा नबुकद्नेस्सर को बेचैन करने वाला स्वप्न दिखता है*

बेचैन करने वाला सपना आता है। वह एक मूर्ति देखता है **...उस मूर्ति का सिर तो चोखे सोने का था, उसकी छाती और भुजाएँ चाँदी की, उसका पेट और जाँघें पीतल की, उसकी टाँगें लोहे की और उसके पाँव कुछ तो लोहे के और कुछ मिट्टी के थे। (दानिय्येल 2:31–33)।**

वह दानिय्येल को बुलाता है ताकि वह उस स्वप्न का अर्थ बताए। दानिय्येल समझाता है **कि सोने का सिर स्वयं राजा नबूकदनेस्सर का प्रतीक है, और उसके बाद अन्य राज्य उठेंगे - लेकिन कोई भी उतना महिमामयी या ताकतवर नहीं होगा (दानिय्येल 2:38–39)।**

हमें यह नहीं बताया गया कि अध्याय २ और ३ के बीच कितना समय बीता, लेकिन ऐसा लगता है कि राजा के मन में कुछ चल रहा था। शायद उसने सोचा, “मैं तो चला जाऊँगा, और कोई और मेरे बाद राज्य करेगा। पर मैं चाहता हूँ कि लोग मेरे राज्य को ‘स्वर्ण युग’ के रूप में याद रखें।”

घमंड या असुरक्षा की भावना से प्रेरित होकर, वह एक विशाल सोने की मूर्ति बनवाता है - संभवतः उसकी अपनी ही - और सबको आज्ञा देता है कि वे आदर के साथ झुककर उसे दण्डवत करें।

## 1) स्वतंत्रता में बन्धे हुए

दानिय्येल 3:21 – **तब वे पुरुष अपने मोज़ों, अंगरखों, बागों और अन्य वस्त्रों सहित बाँधकर, उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दिए गए।**

*परमेश्वर के पास और बड़ी योजना थी*

राजा को लगा कि उसने उन्हें बाँध दिया है, उनकी आज़ादी छीन ली गई है, और उन्हें आग की लपटों के बीच फेंक कर खत्म कर दिया गया है। शत्रु को लगा होगा कि उसने परमेश्वर की योजना को सफलतापूर्वक रोक दिया है - या तो उसे रोक दिया, टाल दिया, या पूरी तरह नष्ट कर दिया। लेकिन परमेश्वर की योजना इससे कहीं बड़ी थी।

## अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

**हमारा पता :**

**ECHO OF HIS CALL,**
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगा मानो इन तीन यहूदी युवकों का अंत आ गया है। शैतान को शायद खुशी हुई जब परमेश्वर ने तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया। अक्सर जब हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर तुरंत उत्तर देते हैं। पर कई बार, एक लंबी चुप्पी होती है - कभी-कभी वर्षों तक। यह चुप्पी हमारा विश्वास डगमगा सकती है और हमें हार मानने के लिए उकसा सकती है।

शायद, प्रिय मित्र, आपने भी अपने आप से यह सवाल किया होगा : "प्रभु, क्यों हालात बुरे से और भी बुरे हो गए? मैं तो प्रार्थना कर रहा हूँ - फिर आपने ऐसा क्यों होने दिया?"

हाँ, परमेश्वर उन्हें आग में डाले जाने से रोक सकता था। वह चाहे तो भट्टी की लपटों को पहले ही बुझा सकता था। पर उसने उससे बड़ा काम किया - वह खुद आग में पहले से मौजूद था। वह वहाँ पहले से इंतजार कर रहा था - उन्हें अपनी बाहों में थामने के लिए।

जब वे आग की भट्टी में गिरे, तो मुझे विश्वास है कि वे सीधे परमेश्वर की अनंत बाहों में जा गिरे। वह उनसे पहले ही वहाँ जा चुका था। परमेश्वर हमेशा हमसे पहले चलता है - हमें बचाने के लिए, आग में भी। भले ही आप आग की भट्टी के बीचों-बीच हों, वह वहाँ है। आप अकेले नहीं हैं। वह वहाँ पहले से होगा - आपको सामर्थ देने के लिए और आपको संभालने के लिए।

परमेश्वर की अनुमति के बिना हमारे जीवन में कुछ नहीं होता। वह कभी-कभी हमें कठिन संघर्ष के समयों से जाने देते हैं - हमें नुक़सान पहुँचाने के लिए नहीं, बल्कि हमें जीवित गवाही के रूप में इस्तेमाल करने के लिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उससे सीख सकें।

हमारा जीवन और हमारी गवाही स्थिर रहेगी। परमेश्वर ने हमें बुलाया है ताकि हम एक विरासत छोड़ जाएँ।

## 2) आज़ादी में चहलकदमी करना

*चार पुरुष आज़ाद, आग में चल रहे हैं*

जब उन तीन पुरुषों को आग में डाला गया, तो उनकी सारी रस्सियाँ खुल गईं। जो रस्सियाँ उनके हाथों और पैरों को बाँध रही थीं, वे जलकर नष्ट हो गईं। प्रभु की उपस्थिति में वे आज़ाद थे - आग के बीच में बिना चोट खाए हुए चल रहे थे, और परमेश्वर का पुत्र उनके साथ था।

**अब मैं देखता हूँ कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची।** दानिय्येल 3:25

तमिल बाइबल में यह पद बहुत सुंदर है - वहाँ केवल "चल रहे हैं" नहीं, बल्कि "घूम रहे हैं" लिखा है। क्या ही अद्‌भुत चित्र! वे पुरुष जो बंधे हुए थे, अब छूटकर पूरी तरह आज़ाद थे - उसी स्थान में जहाँ उन्हें नाश किया जाना था।

प्रिय भाइयों और बहनों, हो सकता है आप अभी आग की भट्टी से होकर गुजर रहे हैं।

पर जब तक आप परमेश्वर की उपस्थिति में हैं, आप आज़ाद हैं। वह हर बंधन को तोड़ने में सामर्थी है। यीशु मसीह के लहू में सच्ची आज़ादी है।

जो बात मुझे सबसे ज़्यादा अचंभित करती है, वह यह नहीं कि वे छुड़ा लिए गए - बल्कि यह कि वे क्या कर रहे थे : वे उनके कर्ता के साथ टहल रहे थे!

सोचिए - हम आम तौर पर कब टहलते हैं? लोग बाग़-बग़ीचों में शांति से, बिना जल्दबाज़ी के टहलते हैं- प्रकृति का आनंद लेते हुए, किसी प्रिय के साथ समय बिताते हुए, बिना किसी चिंता या दबाव के।

क्या आप कल्पना कर सकते हैं? शद्रक, मेशक और अबेदनगो भट्टी की लपटों के बीच शांति से, बिना किसी डर के टहल रहे थे! शत्रु ने सोचा कि उसने उन्हें पकड़ लिया है -पर वह एक सामर्थी सत्य को समझ नहीं पाया : परमेश्वर उनके साथ था।

ज़ोर से और विश्वास के साथ कहें : "परमेश्वर मेरी रक्षा कर रहे हैं!"

## 3) कोई हानि नहीं!

उनके हाथ और पैर ही नहीं खुले थे, वे केवल प्रभु के साथ चल ही नहीं रहे थे - वे पूरी तरह से सुरक्षित और बिना किसी हानि के थे। जैसा कि दानिय्येल 3:25 में लिखा है : **उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची।**

**यह कैसे संभव है?**

इसका अर्थ है कि उन पर आग का कोई भी असर नहीं था - न कोई जलन, न कोई फफोले, यहाँ तक कि उनके शरीर या वस्त्रों पर धुएँ की गंध तक नहीं थी। परमेश्वर ने

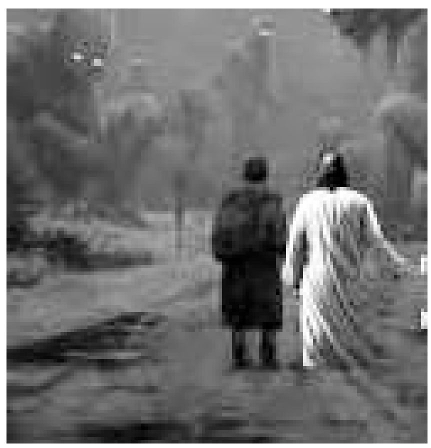

*चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी तराई से चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा।*

उन्हें इतनी पूरी तरह से ढँक लिया था, मानो वे कभी आग में गए ही न हों।

*पृष्ठ 6 से आगे:...*

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

# महान आदेश के भागी

✽ **भार उठना** (गलातियों 6:2), ✽ **सहायता करना** (रोमियों 12:13) **और** ✽ **चमकाना** (2 तीमु. 1:6)

## स्तुति और प्रार्थना निवेदन

**19 सितम्बर 2025, से 18 अक्टूबर 2025 तक**

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

### स्तुति विषय

19 सितंबर : हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और कर्मचारीगण के लिए।

20 सितंबर : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

21 सितंबर : हमारे **बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम** और **ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम** के विकास के लिए।

22 सितंबर : हमारे कार्यकर्ताओं के परिवारों पर उनकी आशीष के लिए।

23 सितंबर : हमारे सभी प्रार्थना सहयोगियों, सदस्यता सहयोगियों, विश्वास सहयोगियों, जीवन सहयोगियों, महान आयोग सहयोगियों और उनके परिवारों पर ईश्वर की आशीष के लिए।

24 सितंबर : अगस्त माह में हमारी सभी आवश्यकताओं को पूरा करने में ईश्वर के विश्वासयोग्य प्रयोजन आशीष के लिए।

25 सितंबर : 10 अगस्त, 2025 को **एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़** के अपने 57वें वर्ष में प्रवेश करने की तैयारी के दौरान ईश्वर के अनुग्रह के लिए।

26 सितंबर : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** में नए प्रवेशों पर ईश्वर के अनुग्रह के लिए।

27 सितंबर : मुख्य चर्च और सभी शाखा चर्चों में हमारी रविवारीय सेवाओं के माध्यम से परमेश्वर के वचन की सामर्थ्य प्रकट हो।

28 सितंबर : हमारे संध्याकालीन **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** में नए छात्रों के आने के लिए।

29 सितंबर : हमारे मिशन कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाए गए गहरे समर्पण के लिए।

30 सितंबर : हमारे वरिष्ठ पादरी और विविध सेवाओं के माध्यम से सुसमाचार को आगे बढ़ाने के लिए उनके अटूट समर्पण के लिए।

1 अक्टूबर : हमें अपनी पत्रिका को अपने मुद्रण यंत्र के माध्यम से १६ भाषाओं में छापने और प्रकाशित करने, और उन्हें मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाने के लिए।

2 अक्टूबर : **एको ऑफ़ हिज़ कॉल यूट्यूब मीडिया मिनिस्ट्री** के माध्यम से प्रचार किए गए 5-मिनट के संदेशों के माध्यम से प्राप्त उत्साहजनक गवाहियों के लिए।

3 अक्टूबर : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्याह बाइबल कॉलेज** और **बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रमों** पर परमेश्वर की निरंतर अनुग्रह के लिए।

### कृपया प्रार्थना करें

4 अक्टूबर : नियमित पवित्र शास्त्रीय सभाओं के संचालन में हमारी सहायता के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त हो।

5 अक्टूबर : सभी राष्ट्रों की एकता और शांति के लिए।

6 अक्टूबर : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

7 अक्टूबर : हमारे सहयोगी, राज्य समन्वयक और उनके परिवार के लिए।

8 अक्टूबर : दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए।

9 अक्टूबर : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** (विलेज हाई स्कूल) में नए छात्रों के दाखिले के लिए।

10 अक्टूबर : हमारे सुसमाचार मुद्रणालय पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

11 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी, एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण के लिए।

12 अक्टूबर : परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में सभी राष्ट्रों के विश्वासियों के बीच अखंडता।

13 अक्टूबर : **एको ऑफ़ हिज़ कॉल** की युवा और आउटरीच सेवकाई के लिए।

14 अक्टूबर : दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक मंदी का अंत हो।

15 अक्टूबर : दुनिया भर के मिशनरी कार्यकर्ताओं की ईश्वरीय सुरक्षा के लिए

16 अक्टूबर : हर राष्ट्र का नेतृत्व भक्तिमान अगुवों द्वारा किया जाए।

17 अक्टूबर : वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए।

18 अक्टूबर : दुनिया भर के लोगों के लिए प्राकृतिक आपदाओं से ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।

*पृष्ठ 4 से आगे:...*

मुझे लगता है जब वे आग की भट्टी की ओर ले जाए जा रहे थे, तब वे भजन संहिता 23 गा रहे होंगे :

**चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है।** भजन संहिता 23:4

और वास्तव में, वह उनके साथ था - उन्हें सांत्वना और छुटकारा देने को तैयार, जैसा उसने वादा किया है।

### यह रहे उसके कुछ अनमोल वचन :

**जकर्याह 2:8 - क्योंकि जो तुम को छूता है, वह मेरी आँख की पुतली ही को छूता है।**

**यशायाह 49:16 - देख, मैं ने तेरा चित्र अपनी हथेलियों पर खोदकर बनाया है।**

**भजन संहिता 91:11 - क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहाँ कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।**

**भजन संहिता 121:7 - यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा।**

**यूहन्ना 10:28 - और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ। वे कभी नष्ट न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा।**

प्रिय मित्रों, चाहे आप इस समय कितनी ही भयानक या घूटनभरी स्थिति में क्यों न हों -

आप उसमें से बिना किसी हानि के बाहर निकलेंगे। बस प्रभु से लिपटे रहें। वह वहाँ भी रास्ता बना देता हैए जहाँ कोई रास्ता नहीं दिखता।

हो सकता है आप किसी ऐसे रिश्ते में फँसे हों जहाँ आपके साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, आप आर्थिक संकट में डूबे हैं, गंभीर बीमारी, कानूनी झगड़ों, या किसी प्रियजन की मृत्यु से गुज़र रहे हैं -

पर यह याद रखें : परमेश्वर आपके पीछे खड़ा है।

उसके वचनों को दावे के साथ माँगें। आंधी में भी उसकी स्तुति करते रहें। वह या तो आपको उस परिस्थिति से बाहर निकालेगाए या आपको उसमें बने रहने का अनुग्रह और सामर्थ्य देगा - बिना किसी हानि के।

जैसे तीन इब्रानी पुरुष आग में से पूरी तरह से सुरक्षित निकल आएए वैसे ही आप भी निकलेंगे!

## 4) आग की कोई ताकत नहीं थी!

दानिय्येल 3:27 में लिखा है : **उनकी देह में आग का कुछ भी प्रभाव नहीं पाया।**

इसका अर्थ है - आप जिस परिस्थिति में हैं, उसकी आप पर कोई सामर्थ्य नहीं है। हालेलुय्याह! राजा और उसके अधिकारी मानते थे कि आग उन्हें भस्म कर देगी। लेकिन जो वास्तव में हुआ, वह अद्भुत था : आग ने परिणाम तय नहीं किया - बल्कि परमेश्वर की सामर्थ्य से, इब्रानी पुरुषों ने स्थिति को नियंत्रित किया।

मैं आपको यह बताना चाहती हूँरू आपकी परिस्थिति को आप पर कोई अधिकार नहीं है -जब तक आप उसे वह अधिकार न दें।

अपने डर, दर्द या संकट के नियंत्रण में न आएँ। उस स्थिति को अपने ऊपर हावी न होने दें। परमेश्वर की संतान होने के नाते, आपके पास उसका दिया हुआ अधिकार है। आग सच्ची हो सकती है, लेकिन वह उस पर असर नहीं डाल सकती जो उस "चौथे पुरुष" के साथ चलता है!

## 5) इससे परमेश्वर की महिमा हुई

हमारे जीवन की हर घटना - चाहे वह सुखद हो या दुखद - उसका एक ही ईश्वरीय उद्देश्य होता है : परमेश्वर की महिमा करना।

हाँ, यहाँ तक कि दुःख भी। यहाँ तक कि हानि भी। यहाँ तक कि आग भी।

चमत्कार देखने के बाद, राजा नबूकदनेस्सर ने घोषणा की :

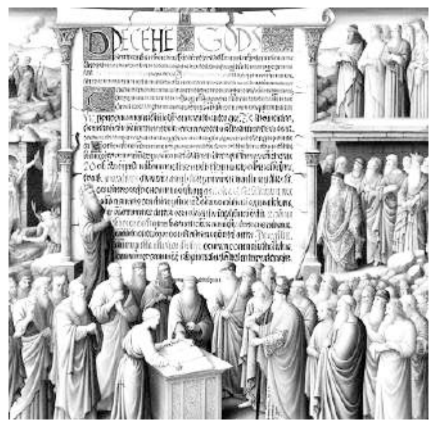

*राजा नबुकद्नेस्सर का आदेश*

**"उन्होंने उस पर भरोसा किया और राजा की आज्ञा का उल्लंघन किया और अपने परमेश्वर के अलावा किसी और देवता की सेवा या आराधना करने के बजाय अपनी जान देने को तैयार थे। इसलिये अब मैं यह**

*पृष्ठ 8 में क्रमशः...*

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Qualification : 10th Standard & above
ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE REACHING NATIONS
Rush for admission! Medium :Tamil (Part Time)
Diploma in Theology
Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

## कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा : २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (तीन केन्द्र)
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एवं तमिल
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम
८. सुसमाचार सभाएं
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय -प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मॅट्रिक्युलेशन स्कूल- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल रविवार प्रातः ८.३० बजे
**१३. तमिल उपासना रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे**
**१४. हिन्दी उपासना रविवार सायं ४.०० बजे**
**१५. तेलुगू उपासना रविवार सायं ५.०० बजे**
**१६. अंग्रेजी तथा तमिल उपासना रविवार सायं ६.०० बजे**
१७. महिलाओं की प्रार्थना सभा बुधवार सायं ५.३० बजे
१८. पुरुषों की प्रार्थना सभा शुक्रवार सायं ६.३० बजे
१९. शिष्यता की सभा शनिवार सायं ६.०० बजे
२०. गृह सभाएँ मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२१. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२२. कर्मचारी समीक्षा सभा प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२३. पालकों की प्रार्थना सभा प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२४. रात्रकालिन प्रार्थना द्वितीय शुक्रवार रात ६.३० बजे
२५. उपवास के साथ प्रार्थना प्रथम शनिवार सायं ६.३० बजे
२६. पवित्र प्रभुभोज द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
२७. प्रातःकालीन उपासना प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
२८. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना उपासना प्रतिदिन प्रातः ६.०० बजे
२९. कार्यालय प्रातः ६.०० बजे से सायं ६.०० बजे (रविवार छोड़कर)

## ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

### 1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

### 2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

***अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।***

**The Chairman, Nehemiah Bible College,**
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

## एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

## कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

| | | |
|---|---|---|
| Account Name | : | ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST |
| Account Number | : | 1023 2923 805 |
| Bank Name | : | STATE BANK OF INDIA |
| Branch | : | TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005 |
| IFSC Code | : | SBIN 0000249 |
| SWIFT Code | : | SBI NIN BB 455 |

# खाई से महल तक

## (पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

*"जो पढ़े वह समझे"* मत्ती 24:15

## परमेश्वर जो विनम्र सेवा को ऊँचा उठाता है

मेरे प्रारंभिक दिनों से ही, प्रभु ने मुझे एक बड़ी दिलचस्पी के साथ-साथ एक बड़ा दायित्व भी दिया था कि मैं लोगों तक उसके महिमामय सुसमाचार को हर तरह से, हर कीमत पर, किसी भी तरह और हर तरह से पहुँचाऊँ और उन्हें यीशु मसीह के उद्धार का आनंद लेने में सक्षम बनाऊँ (1 कुरिन्थियों 9:22)। एक दिन, मैंने प्रतिदिन कम से कम एक व्यक्ति को सुसमाचार का एक पर्चा बाँटकर या व्यक्तिगत रूप से मसीह के प्रेम के बारे में बताकर करे प्रभु यीशु मसीह के प्रेम के बारे में बताने का निश्चय किया। प्रभु आज भी इस निर्णय को पूरा करने में मेरी मदद कर रहा है।

1971 से, जब मैं तमिलनाडु सरकार के लिए सेवारत था, मुझे अपने निवास से कार्यालय जाते समय और घर वापस आते समय सुसमाचार के पर्चे बाँटने की आदत थी। जब मैं इस मंत्रालय में था, तो मैं हज़ारों गैर-मसीहियों के साथ-साथ कुछ भक्तिमान लोगों से भी मिल पाया। इसके अलावा, इस मंत्रालय के माध्यम से मिले संपर्कों के माध्यम से, मैं चेन्नई में कलीसियाई सेवकाई शुरू कर पाया।

चूँकि मुझे पर्याप्त साहित्य प्राप्त करना मुश्किल लग रहा था, इसलिए मुझे अपने निःशुल्क वितरण के लिए सुसमाचार साहित्य छपवाने के लिए स्थानीय मुद्रणालयों से संपर्क करना पड़ा। प्रिंटिंग प्रेस के मालिक मेरी सेवकाई के लिए सुसमाचार पत्रक छापने से बहुत खुश नहीं थे। इससे मुझे कई बार असहजता होती थी। इन सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, प्रभु ने मुझे सेवकाई जारी रखने में मदद की।

कई बार, जब मैंने दूसरे धर्मों के मित्रों को सुसमाचार पत्रक बाँटे, तो मुझ पर शारीरिक हमला किया गया। लेकिन परमेश्वर ने मुझे बुरी ताकतों से बचाया और अपनी सेवकाई में आगे बढ़ने में मेरी मदद की।

अब, जिस प्रभु की मैंने विश्वासयोग्यता सेवा की है, उसने सड़कों और बाज़ारों में सुसमाचार पत्रक बाँटने की मेरी विनम्र सेवकाई का सम्मान किया है और मुझे पर्याप्त संख्या में कुशल कर्मचारियों, नवीनतम मुद्रण उपकरणों, भवनों आदि से युक्त एक विशाल सुसमाचार साहित्य सेवकाई की आशीष दी है। अब जैसा कि आप जानते हैं, परमेश्वर के अनुग्रह से, यह सेवकाई विभिन्न देशों के लोगों तक यीशु मसीह के सुसमाचार को पहुँचाने में सक्षम है क्योंकि हम सोलह भाषाओं, अर्थात् अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगु, हिंदी, मराठी, कन्नड़, बंगाली, गुजराती, उड़िया, असमिया, पंजाबी, उर्दू, नेपाली, सिंहली और अफ़्रीकी, में सुसमाचार साहित्य का अनुवाद और प्रकाशन करते हैं। हम अपने मुख्य चर्च में हर रविवार को पाँच भाषाओं, अंग्रेज़ी, तमिल, मलयालम, तेलुगु और हिंदी में आराधना सेवाएँ भी आयोजित करते हैं।

**यीशु मसीह आपके जीवन में भी महान कार्य कर सकते हैं** (भजन संहिता 126:3)। **जो आँसू बहाते हुए बोते हैं, वे जयजयकार करते हुए लवने पाएँगे।** भजन संहिता 126:5।

************

*पृष्ठ 6 से आगे:...*

**आज्ञा देता हूँ कि देश-देश और जाति-जाति के लोगों, और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालों में से जो कोई शद्रक, मेशक और अबेदनगो के परमेश्वर की कुछ निन्दा करेगा, वह टुकड़े टुकड़े किया जाएगा, और उसका घर घूरा बनाया जाएगा; क्योंकि ऐसा कोई और देवता नहीं जो इस रीति से बचा सके।"**(दानिय्येल 3:28–29)।

परमेश्वर ने आग लगने दी। उसने उसे और भी तीव्र होने दिया। क्यों?

पहला, क्योंकि वह आप पर भरोसा करता है कि आप विश्वास के साथ उसमें से गुज़रेंगे।

दूसरा, क्योंकि वह आपकी गवाही का उपयोग अपने नाम की महिमा लाने के लिए करेगा।

इसलिए, मेरे भाई, मेरी बहन, हिम्मत बान्धें - आप इस समय जो कुछ भी कर रहे हैं, वह व्यर्थ नहीं है। इससे परमेश्वर की महिमा होगी, और आप इस अग्नि से उसके सामर्थी पात्र, शुद्ध किया हुआ और दीप्तिमान बनकर उभरेंगे।

### 6) तरक्की

कभी-कभी हम अपने आप से पूछते हैं, "इसका क्या मतलब है? यदि परमेश्वर को सारी महिमा और सारा आदर मिलना है - यदि केवल वही महान है - तो मैं इन सब में मेरा स्थान कहाँ है?"

लेकिन जब हम दानिय्येल ३ में कहानी का बाकी हिस्सा पढ़ते हैं, तो हमें एक सुंदर सत्य दिखाई देता है : परमेश्वर उन लोगों को प्रतिफल देता है जो उस पर विश्वास करते हैं। शद्रक, मेशक और अबेदनगो को न केवल

आत्मिक क्षेत्र में सम्मानित किया गया, बल्कि पृथ्वी पर भी पुरस्कृत किया गया।

**तब राजा ने बेबीलोन के प्रान्त में शद्रक, मेशक, अबेदनगो का पद और ऊँचा किया।** (दानिय्येल 3:30)

शैतान ने उनके विनाश की योजना बनाई थी। उसकी योजना थी :

उनके जीवनों का अन्त करना, राजा के साथ उनकी कृपा का अन्त करना, उनकी सेवकाई समाप्त करना, उनका विश्वास समाप्त करना, उनके लिए परमेश्वर की योजना का अन्त करना, उनकी परीक्षा के गवाह बने अन्य लोगों के विश्वास का अन्त करना, और अंततः, परमेश्वर के राज्य के विस्तार को रोकना।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इसके बजाय, परमेश्वर ने शत्रु की योजना को उलट दिया और इस स्थिति का इस्तेमाल पृथ्वी पर अपने राज्य का विस्तार और मज़बूत करने के लिए किया।

देखिए आग ने क्या किया :

इसने परमेश्वर की योजना पूरी की। इसने परमेश्वर को महिमा दी। इसने न केवल उनके विश्वास को, बल्कि अन्य यहूदियों के विश्वास को भी – और इतना ही नहीं स्वयं राजा जैसे गैर-यहूदियों के विश्वास को भी – मज़बूत किया। इसने उन्हें परमेश्वर और मनुष्य (राजा) दोनों की दृष्टि में अनुग्रह प्रदान किया। इसने उनके जीवन का अंत नहीं किया; बल्कि, इसने उन्हें एक नई शुरुआत दी – एक नया उद्देश्य, दर्शन और पद। इसने साबित किया **कि यद्यपि शत्रु ने बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया। (उत्पत्ति 50:20)।**

राजा – जिसने एक बार सभी को सोने की मूरत के आगे झुकने का आदेश दिया था – उसने सार्वजनिक रूप से इस्राएल के परमेश्वर की सर्वोच्चता की घोषणा की :

**क्योंकि ऐसा कोई और देवता नहीं जो इस रीति से बचा सके।** दानिय्येल 3:29

## 7) आवेश – एक विरासत छोड़ना

अंततः, तीन इब्रानी पुरुषों ने एक सामर्थी और स्थायी विरासत छोड़ी – अटूट विश्वास की एक विरासत जो आज भी, 2025 में, हमसे बात करती रहती है।

परमेश्वर ने उन्हें आग में जाने दिया ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गवाही बन सकें। उनकी कहानी हमें प्रभु के लिए उसी उत्साह और आवेश के साथ जीने की चुनौती और प्रेरणा देती है।

**उन्होंने साहसपूर्वक घोषणा की :**

**"... हमारा परमेश्वर, जिसकी हम उपासना करते हैं वह हम को उस धधकते हुए भट्ठे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन् हे राजा, वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा सकता है। परन्तु यदि नहीं, तो हे राजा, तुझे मालूम हो, कि हम लोग तेरे देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करेंगे।" दानिय्येल 3:17–18।**

प्रभु के प्रति उनके साहस और दृढ़ विश्वास को दखें! वे अपने विश्वास के साथ समझौता करने के बजाय मृत्यु का सामना करने को तैयार थे।

जब चीज़ें हमारे अनुकूल नहीं होतीं, तो हम कितनी बार निराश हो जाते हैं? फिर भी, इन जवानों ने अपनी अटूट भक्ति से न केवल अपने विश्वास को, बल्कि हमारे भी विश्वास दृढ़ किया है।

***मैं आपसे पूछना चाहती हूँ :***

क्या आप अभी भी परमेश्वर की सेवा कर सकते हैं... असफलता के मध्य? बीमारी के मध्य? पारिवारिक संघर्षों के मध्य? स्वास्थ्य चुनौतियों के मध्य? व्यावसायिक दबाव के मध्य? व्यक्तिगत दुःख के मध्य? बार-बार निराशा के मध्य? टूटन के मध्य? यहाँ तक कि आशीष और भरपूरी के मध्य भी?

**पीछे मत मुड़िए।**

वह आपका इंतज़ार कर रहा है। इसीलिए यीशु मसीह क्रूस पर मरा – ताकि वह हमारे लिए मध्यस्थता कर सके और पूरी तरह से समझ सके कि हम किस दौर से गुज़र रहे हैं। वह दूर या उदासीन नहीं है। वह निकट है, और उसकी बाहें खुली हैं।

***इसलिए उससे जुड़े रहें।***
***उत्साह के साथ उसकी सेवा करें।***

ऐसा जीवन जिएँ जो एक विरासत छोड़ जाएँ।

************

**त्रुटि**

अगस्त 2025 के अंक (मुखपृष्ठ) के पहले अनुच्छेद में स्वतंत्रता दिवस समारोह को भूल से 75वाँ लखा गया, जब क सही 79वाँ होना चाहिए था। हमें इस त्रुटि के लए खेद है।

मुख्य संपादक

**WANTED**

MISSION MINDED

**COMPUTER OPERATORS (with typing knowledge) & ASSISTANT PRITING PRESS OPERATORS**

ECHO OF HIS CALL (+91) 98412 71858, E.mail : sam@echoofhiscall.org

**NOTICE**

Save our mobile numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 (main numbers) in your mobile phones.

- Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

## एको ऑफ हिज़ कॉल

### यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

## OUR BANK DETAILS:

### *1. Bank : State Bank of India*

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

### *2. Bank : ICICI Bank*

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

### *3. Bank : State Bank of India*

**(This Account is for Tax Exemption for Indians only )**

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

**Google Pay: 98410 71858**
**PayPal : SAM SELVA RAJ**
*****
**E.mail : sam@echoofhiscall.org**

# एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

**वार्षिक शुल्कः रु. १००/-      आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

**एको ऑफ हिज़ कॉल** की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

**एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
**ECHO OF HIS CALL**
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

**YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO**

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th SEPTEMBER 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

*JESUS LOVES YOU!*

To

*GOD BLESS YOU!*

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**